तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.4 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 17 अगस्त 2025

12 शहिदों का स्मान करना हमारा फर्ज : मेयर

12 जिलभर में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

खबर संक्षेप

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, शिकायत दर्ज

गोहाना। शहर के गौतम नगर में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ली गई। शहर थाना में केस दर्ज किया गया। सतीश ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। नौ अगस्त को वह घर में सफाई करने के बाद बाइक को अंदर करने के लिए बाहर निकला। तब बाइक नहीं मिली। उसने अपने स्तर पर तलाश की लेकिन सुराग न लगने पर पुलिस को शिकायत दी।

मोबाइल और नकदी छीनने की घटना में आरोपित काबू

गोहाना। थाना सदर गोहाना की पुलिस ने दो युवकों से मोबाइल व नकदी छीनने की घटना मे संलिप्त एक आरोपित गिरफ्तार किया और एक अपचारी बालक को स्वजन की मौजूदगी मे अभिरक्षा में लिया। गिरफ्तार आरोपित गांव मोहाना का राहुल है। गांव जौली के प्रदीप ने सात अगस्त को पुलिस को शिकायत दी थी कि उसकी दुकान पर काम करने वाले धर्मेंद्र व अनिल गांव के बस स्टैंड की तरफ काम से गए थे। वहां से वापस लौटते समय बाइक पर तीन युवक आए। वे धर्मेंद्र व अनिल से दो मोबाइल व 430 रुपये छीन कर फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपित राहुल को गिरफ्तार किया।

अवैध हथियार मामले में आरोपित किया गिरफ्तार

गोहाना। सीआइए की पुलिस टीम ने अवैध हथियार के मामले में संलिप्त आरोपित उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ के अश्विनी उर्फ अमित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले महम-जींद बाइपास रोड से उत्तम नगर के अजय उफ झाऊ को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उससे दो देसी पिस्तौल व दो कारतूस बरामद किए थे। अब पुलिस ने अजय को अवैध हथियार उपलब्ध कराने के आरोपित अश्विनी को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

खरखौदा। अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते भाजपाई।

भाजपाइयों ने अटल बिहारी वाजपेयी को किया याद

खरखौदा। भाजपा कार्यालय खरखौदा में भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए और उनको याद किया गया। साथ ही उनकी नीतियों पर चलने का संकल्प किया गया। इस मौके पर विधायक पवन खरखौदा, मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर, महामंत्री अशोक, विजय पांचाल, प्रेम जांगड़ा, हनुमान, अजय राठौर, रामनिवास, श्यामपाल सैनी, नरेंद्र जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। गोहाना रोड आरओबी के पास जलभराव। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। गोहाना रोड आरओबी के पास सीवर से ओवरफ्लो होता पानी। फोटो : हरिभूमि

जमकर बरसे मेघा, सड़कें बनी तालाब

जिले में औसत 12.66 एमएम बरसे मेघा, खरखौदा में 42 तो सोनीपत में 32 एमएम हुई बारिश

सुबह से आसमान में छाई थी काली घटाएं, दोपहर तक रुक-रुककर होती रही वर्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

सोनीपत। गीता भवन चौक पर जलभराव से निकलते वाहन। फोटो : हरिभूमि

जिले में शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ फिर से सक्रिय हो गया, जिसके कारण जिले में अच्छी बारिश हुई। बारिश ने एक बार फिर शहर की निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। शहर की सड़कें फिर तालाब बनी रहीं। निकासी व्यवस्था ठप होने से सड़कों पर कई फुट तक पानी भर गया, जिसका खामियाजा वाहन चालकों को भुगतना पड़ा। पानी से लबालब भरी सड़कों पर कई जगह वाहन बंद पड़ गए, जिससे चालक अपने वाहनों को धक्का लगाकर निकालते रहे। दोपहर को वर्षा थमने के बाद ही सड़कों से पानी कम हुआ, जिसके बाद ही वाहन चालकों ने राहत की सांस ली। जिले में औसतन 12.66 एमएम वर्षा दर्ज की गई। खरखौदा में सबसे अधिक 42 एमएम बारिश दर्ज की गई है, वहीं सोनीपत शहर में 32 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा गन्नौर में 2 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा गोहाना, राई और खानपुर कलां में कुछ इलाकों में हल्की बौछारों ने मौसम को खुशनुमा बनाए रखा।

जिले में शनिवार सुबह से आसमान पर काली घटाएं छाई हुई थी। सुबह 11 बजे से दोपहर करीब दो बजे तक झमाझम वर्षा हुई, जिससे शहर के गीता भवन चौक, मामा भांजा चौक, गोहाना रोड, महलाना रोड, बस अड्डा, कच्चे क्वार्टर मार्केट, पुरानी सब्जी मंडी सहित अन्य जगहों पर सड़कों व गलियों में जलभराव की समस्या गहराई रही। दोपहर दो बजे वर्षा थमी और बादल छट गए। कुछ देर बाद हल्की धूप निकल आई। मौसम विभाग का कहना है कि 21 अगस्त तक मानसून की गतिविधियां सक्रिय रहेंगी। ऐसे में कहीं-कहीं मध्यम से तेज वर्षा होने का पूर्वानुमान है। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहा।

शनि मंदिर अंडरब्रिज फिर बन गया तालाब

वर्षा के कारण शहर के शनि मंदिर अंडरब्रिज में पानी भर गया, जिससे शहर दो हिस्सो में बंटा रहा। रेलवे लाइन पार करने वालों को परेशानी झेलनी पड़ी। जलभराव के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के सारंग रोड अंडर ब्रिज, कामी रोड रेलवे अंडर ब्रिज में भी यही स्थिति बनी रही।

21 अगस्त तक अधिकतर क्षेत्रों में वर्षा के आसार

एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के चलते मानसून सक्रिय है। 21 अगस्त तक जिले के अधिकतर क्षेत्रों में वर्षा के आसार बने रहेंगे। जिससे तापमान में गिरावट आएगी।
-डा. प्रेमदीप, मौसम विज्ञानी, केवीके, जगदीशपुर

नाबालिग लड़की की शादी युवक से कराई, मामला दर्ज

- शादी में लडक़ी की मां, बुआ व अन्य रिश्तेदारों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

बरोदा थाना क्षेत्र में नाबालिग लडक़ी की शादी 30 वर्षीय युवक के साथ शादी करा दी गई। लडक़ी ने पिछले माह पुलिस को कॉल करके सूचना दी। लडक़ी व लडक़े के दस्तावेजों की जांच करवाई गई जिसमें लडक़ी नाबालिग मिली। उसकी मां व रिश्तेदारों की भूमिका भी शादी को लेकर संदिग्ध मिली। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया।

क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग लडक़ी की शादी 11 दिसंबर, 2024 को हिसार के एक गांव के सुरेंद्र के साथ कर दी गई। लडक़ी ने पिछले माह पुलिस को कॉल करके इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग लडक़ी को हिसार में अस्थाई आश्रय के लिए वन स्टाप सेंटर भेज दिया गया। हिसार की संरक्षण एवं बाल-विवाह निषेध अधिकारी द्वारा इस संबंध में सोनीपत के संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय को शिकायत भेजी। इसके बाद अधिकारियों ने नाबालिग की मां से संपर्क किया गया तो उसने कहा कि वह बेटी के साथ भाई के पास रह रही है। बाद में टीम लडक़ी को उसके मामा के साथ महिला थाना लाया गया और वहां लडक़ी के बयान दर्ज करने के बाद उसे बालग्राम राई भिजवाया गया। मामा ने बताया कि लडक़ी की उम्र 16 साल से अधिक है और शादी उसकी बुआ के रिश्तेदार सुरेंद्र से कराई गई थी। अधिकारियों ने लडक़ी की मां, उसके पति, बुआ के बयान भी दर्ज किए। अधिकारियों ने लडक़ी की पढ़ाई का रिकार्ड निकलवाया तो उनकी जन्मतिथि चार अगस्त 2008 मिली। सुरेंद्र ने अपनी स्कूल की मार्कशीट पेश की जिसमें उसकी जन्मतिथि 14 जनवरी 1995 पाई गई। शादी के समय लड़की की आयु 16 वर्ष 4 माह 7 दिन थी जबकि लडक़ी की आयु 29 वर्ष 10 माह 27 दिन थी। अभी भी लडक़ी नाबालिग है। शादी में लडक़ी की मां, बुआ व अन्य रिश्तेदारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। जिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रजनी गुप्ता की शिकायत पर बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया।

पिता पर लगाया निर्वस्त्र पीटने व अश्लीलता का आरोप

सोनीपत। सोनीपत में रिश्तों को शर्मसार करने का एक और मामला सामने आया है। सेक्टर 27 थाना क्षेत्र में रहने वाले किशोर ने अपने पिता पर नशे में उसे निर्वस्त्र कर पीटने व अप्राकृतिक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि किसी को बताने पर मारने की धमकी दी गई। घर से भागकर किशोर ने मामा को मामले से अवगत कराया। जिसके बाद पुलिस को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को 15 वर्षीय किशोर ने बताया कि उसका पिता शराब पीता है और उसके साथ अभद्रता से बातचीत करता है। किशोर का आरोप है कि कई दिन से उसका पिता अक्सर नशा कर घर आता है। पिता ने उसके साथ कई बार मारपीट की। उसे कमरे में लेकर निर्वस्त्र कर बुरी तरह पीटा गया। उसके साथ अप्राकृतिक यौन शोषण किया गया। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई। लगातार प्रताड़ना से तंग आकर किशोर पहले अपने दोस्त के पास गया और फिर मामा के पास चला गया। मामा के घर पहुंचा और उन्हें अवगत कराया। उसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने जांच के बाद शुक्रवार को 6 पॉक्सो एक्ट, 75 जुवेनाइल जस्टिस एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि किशोर के माता-पिता अलग रहते हैं। किशोर के पालन-पोषण की जिम्मेदारी पिता को मिली हुई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश ने बताया मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जांच के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट की जाएगी।

सर छोटू राम में स्वतंत्रता दिवस पर ली शपथ

रतनगढ़ माजरा स्थित सर छोटूराम में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हैंडबॉय, हैडगर्ल सदन से कैप्टन, वाइस कैप्टन का शपथ समारोह करवाया गया। स्कूल के चेयरमैन, प्रधानाचार्य कुमारी प्रिया, कुमार आयुश ने ध्वजारोहण किया। छात्र-छात्राओं ने देश भक्ति से ओत प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही बच्चों को स्वतंत्रता आंदोलन के बलिदानियों ने निस्वार्थ अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के बारे में दी जानकारी। व चेयरमैन ने कहा की यह राष्ट्रीय पर्व नहीं है बल्कि यह हमारे आत्मसम्मान, हमारी पहचान और हमारी सामूहिक स्मृतियों का जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम में चेयरमैन जगदीश लोहचब, मैनेजर बिमला दहिया, प्रधानाचार्य डॉ. मेहर सिंह आर्य, उपप्राचार्या अनीता लोहचब आदि मौजूद रहे।

25 को दिल्ली में होगी किसान महापंचायत: डल्लेवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| खरखौदा

खरखौदा। मीडिया से रूबरू हुए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल खरखौदा उपमंडल के गांव छिनौली पहुंचे और संगठन के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर 25 अगस्त को दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय किसान महापंचायत की रणनीति तय की। उसके बाद वे भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर के खरखौदा ब्लॉक प्रधान शक्ति दहिया का हालचाल जानने उनके पैतृक गाँव सिसाना पहुंचे। इस दौरान यूनियन के जिला प्रधान बेदी दहिया, जिला उपप्रधान समुंदर तोमर, जिला संगठन सचिव बुधराम कोहाड़, जिला प्रवक्ता देशपाल दहिया, जिला कोषाध्यक्ष बिजेंद्र दहिया, अजय कोहाड़ व अन्य किसान मौजूद रहे। मीडिया को सम्बोधित करते हुए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि 2011 में गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए नरेंद्र मोदी ने कंज्यूमर अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन होने के नाते तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को एमएसपी गारंटी कानून बनाने की सिफारिश की थी और अभी कुछ दिन पहले खेती-बाड़ी के विषयों पर बनी संसद की सर्वदलीय स्थायी समिति ने भी एमएसपी गारंटी कानून बनाने की सिफारिश की है। इसके बावजूद केंद्र सरकार अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि ओइसीडी की एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार द्वारा घोषित फसलों का एमएसपी न मिलने की वजह से 2022-23 में देश के किसानों को लगभग 12.55 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ओइसीडी की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार 2000-2017 तक सरकार द्वारा घोषित एमएसपी न मिलने की वजह से किसानों को लगभग 45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते के मुद्दे पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दादागिरी के सामने भारत सरकार को कतई झुकना नहीं चाहिए और अपना स्टैंड मजबूती से कायम रखना चाहिए, ताकि किसानों, पशुपालकों, पोल्ट्री, मछुआरों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि अमेरिका की सरकार अपने हर एक किसान को सालाना 80 लाख रुपये की सब्सिडी देती है। दूसरी तरफ भारत में प्रति किसान को प्रति वर्ष मात्र 24000 रुपये की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यू टी ओ जैसे संस्थानों के नियम अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरित है।

पुलिस लाइन में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया

मंत्री अरविंद शर्मा ने किया ध्वजारोहण, गूंजे देशभक्ति के तराने

- परेड का निरीक्षण कर ली जोशिली परेड की सलामी, वीरांगनाओं और शहीदों के परिजनों को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

सोनीपत। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

सोनीपत। विद्यार्थियों को सम्मानित करते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा व मेयर।

पुलिस लाइन में शुक्रवार को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण किया। इसके पहले शहीदी स्मारक पर पुष्पचक्र भेंट कर वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी रीटा शर्मा भी मौजूद रही। इस दौरान पूरा सोनीपत तिरंगामय नजर आया और हर तरफ देशभक्ति के तराने गूंजते रहे।

ध्वजारोहण उपरांत कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया, फिर शुभ संदेश देते हुए विकास पथ पर तीव्रता से आगे बढ़ते हरियाणा की उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी दी। समारोह के उपरांत कैबिनेट मंत्री ने पुलिस लाइन परिसर में एक पेड़ मां के नाम लगा कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पक्षियों को भी दाना डालते हुए जीवों के संरक्षण को मजबूती दी। इससे पहले दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल सहित अन्य उपकरण भी वितरित किए। इस दौरान नगर निगम मेयर राजीव जैन, पुलिस आयुक्त ममता सिंह, उपायुक्त सुशील सारवान, नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. नरेंद्र कौर, डीसीपी वेस्ट प्रबीणा पी, डीसीपी कुशल सिंह व नरेंद्र सिंह, एसडीएम सुभाष चंद्र, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त मीतू धनखड़, नगराधीश डा. अनमोल सहित अन्य मौजूद रहे। मंच संचालन डा. सुभाष सिसोदिया ने किया। इस दौरान वीरांगनाओं शहीदों के स्वजनों को किया सम्मानित किया गया, वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों व विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

16वें शिविर में एकत्रित हुआ सौ यूनिट रक्त

खरखौदा। मार्केट एसोसिएशन के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 16 वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें में 100 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर के मुख्यातिथि विधायक पवन खरखौदा थे। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि रक्तदान करना बहुत ही पुण्य का कार्य है। यह लोगों की जिंदगी बचाने का काम करता है। मार्किट एसोसिएशन की तरफ से कई वर्षों से रक्तदान शिविर लगाकर सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

■ एसआईपी के अलावा भी कुछ विकल्प दे सकते हैं बढ़िया मुनाफा

■ मोटा पैसा कमाने के लिए आपको रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा

■ रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर के लिए एसआईपी पर्याप्त नहीं

करोड़पति बनना है तो आप जान लें निवेश के कुछ 'ब्लॉकबस्टर' टिप्स

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आजकल ज्यादातर लोग, स्पेशली युवा, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को पूरा करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अपना रहे हैं। एसआईपी शुरू करना फाइनेंशियल अनुशासन की दिशा में एक शानदार पहला कदम है, लेकिन, क्या केवल एसआईपी शुरू कर देना ही आने वाले कल के लिए काफी है? असल में लंबी अवधि के टारगेट जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने के लिए, केवल एसआईपी करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक संपूर्ण और मजबूत प्लानिंग की आवश्यकता होती है। तो फिर आइए इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं निवेश के कुछ ब्लॉक बस्टर कदम जो आपको करोड़पति बनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आपकों कम समय में ही अच्छा मुनाफा दिलवाने में सक्षम हैं।

फाइनेंशियल टारगेट को परिभाषित करें

एसआईपी तो बस एक निवेश का एक जरिया है, लेकिन टारगेट क्या है? सबसे पहले, आपको अपने सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों को साफ रूप से परिभाषित करना चाहिए और एक गोल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

- **लक्ष्यों को पहचानें :** क्या आपका टारगेट 10 साल में बच्चों की हाई एजूकेशन है, 20 साल में रिटायरमेंट है, या 5 साल में घर के लिए डाउन पेमेंट है?
- **लागत का अनुमान लगाएं :** हर टारगेट के लिए जरूरी राशि का अनुमान लगाएं. इसमें फ्यूचर की महंगाई को भी शामिल करें. उदाहरण के लिए, अगर आज बच्चों की इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर 20 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो 15 साल बाद महंगाई के साथ यह राशि कहीं अधिक होगी।
- **क्यों जरूरी :** जब आपको पता होगा कि आपको कब और कितने पैसे की जरूरत हो सकती है, तभी आप सही निवेश रणनीति बना पाएंगे।

पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाएं

- एसआईपी तो इक्विटी में है, लेकिन क्या इतना काफी है? 'अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें' यह निवेश का सबसे पुराना और सबसे अहम नियम है।
- **इक्विटी के अलावा निवेश करें :** हमेशा अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ एसआईपी ही ना रखें। उसमें इक्विटी के साथ-साथ डेट और अन्य संपत्तियों का मिश्रण भी होना ही चाहिए।
- **विविधता के विकल्प :** आप अपनी रिस्क लेने की क्षमता अनुसार पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), और यहां तक कि सोना या रियल एस्टेट जैसे ऑप्शन में भी निवेश कर सकते हैं।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके पोर्टफोलियो में स्थिरता ला सकता है। यानी कि यदि शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आपके दूसरे निवेश आपके पोर्टफोलियो को गिरने से बचाते हैं।

बीमा और आपातकालीन निधि बनाएं

- आपकी यात्रा की सुरक्षा कैसे होगी? यानी कि एक मजबूत फाइनेंशियल योजना की नींव सुरक्षा पर टिकी होती है। अगर आप बिना बीमा और इमरजेंसी के निवेश करते हैं, तो एक भी दुर्घटना आपकी पूरी योजना को ध्वस्त कर सकती है।
- **आपातकालीन निधि :** कम से कम 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर की राशि एक ऐसे खाते में रखें, जिसे आप आसानी से निकाल सकें। ये इमरजेंसी फंड नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में आपके एसआईपी को तोड़ने से बचाएगा।
- **पर्याप्त बीमा :** अपने परिवार को फाइनेंशियल रूप से सेफ रखने के लिए पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस (खासकर टर्म प्लान) और हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके लॉन्ग टर्म निवेश को अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से बचाता है।

निवेश की राशि को बढ़ाएं

- आपकी इनकम तो बढ़ेगी, तो निवेश क्यों नहीं? जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपके निवेश को भी बढ़ना चाहिए।
- **क्या करें :** हर साल अपनी एसआईपी की राशि को अपनी आय में हुई ग्रोथ के अनुसार 10-15% तक बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप एसआईपी' कहा जाता है। ऐसा करने से निवेशक कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच सकते हैं और महंगाई के प्रभाव को भी कम कर सकते हैं।
- **क्यों करें :** मुद्रास्फीति आपके पैसे की क्रय शक्ति को घटाती है। निवेश को बढ़ाकर आप यह तय करते हैं कि आपके लक्ष्य की वाकई में लागत कवर हो।

योजना की समय पर समीक्षा करें

- क्या आपकी गाड़ी सही रास्ते पर है? आपकी वित्तीय यात्रा एक सीधी रेखा नहीं है. इसमें कई मोड़ आते हैं।
- **क्या करें :** साल में आप कम से कम एक बार तो जरूर ही अपनी वित्तीय योजना और निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। इसमें देखें कि क्या आपके निवेश आपके लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नहीं। अगर आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव (जैसे शादी, बच्चा या नई नौकरी) आता है, तो अपनी योजना में जरूरी बदलाव करना चाहिए।
- **क्यों जरूरी :** समीक्षा करने से आप यह तय करते हैं कि आप हमेशा सही रास्ते पर हैं और अपने टारगेट को समय पर प्राप्त कर पाएंगे।

एसआईपी सिर्फ एक मंजिल

- अब आप समझ रहे होंगे कि एसआईपी शुरू करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन यह मंजिल नहीं है। अपने लॉन्ग टर्म के फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक पूरी प्लानिंग की जरूरत होती है, जिसमें लक्ष्य-आधारित इन्वेस्टमेंट, विविधीकरण, सुरक्षा और नियमित समीक्षा शामिल हो। ■

पत्नी के साथ मिलकर बनाएं कल की प्लानिंग

- 1, 2 नहीं इन 5 ऑप्शन को फॉलो करके फुल मौज में कटेगा बुढ़ापा
- रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी
- कपल मिलकर सही समय पर निवेश और फाइनेंशियल प्लान बनाएं

अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पत्नी के साथ मिलकर अच्छी प्लानिंग करें। इससे आपका बुढ़ापा मस्ती में कटेगा। कहा भी गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक व्यक्ति की नहीं, बल्की पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। आने वाले कल को सुरक्षित करने के लिए सही समय पर सही इन्वेस्टमेंट प्लानिंग की बहुत जरूरत होती है। यही कारण है कि समय रहते रिटायरमेंट की प्लानिंग करना भी बहुत जरूरी होता है। आज के समय में रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए एक शेयर होने वाली जिम्मेदारी होती है, खासकर कपल के लिए। अब आप रिटायरमेंट के लिए अपनी पत्नी के मिलकर बेहतरीन प्लानिंग करें। वाइफ के साथ मिलकर प्लानिंग बनाने से आप शानदार फ्यूचर बना सकते हैं।

पत्नी के टारगेट पर चर्चा करें

सबसे पहला और सबसे जरूरी कदम होता है कि एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करना चाहिए। यह प्लान करें कि रिटायरमेंट के बाद आप किस तरह की लाइफ को जीना चाहते हैं, जैसे कि क्या आप यात्रा करना चाहते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, या शांतिपूर्ण जीवन बिताना चाहते हैं? जब आप दोनों ये तय कर लेंगे तभी आप अच्छी बचत अपने आने वाले कल के लिए कर सकेंगे।

खर्चों का आकलन करें

रिटायरमेंट के बाद की लाइफ के लिए जरूरी मंथली खर्चों का अनुमान लगाना बहुत जरूरी होता है। इसमें घर का किराया या ईएमआई, खाने-पीने का खर्च, हेल्थ और मनोरंजन जैसे सभी खर्च शामिल करें। पार्टनर के साथ मिलकर एक ज्वाइंट बजट बनाएं जो आपकी फिलहाल की इनकम और खर्चों को पेश करता हो। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि आप कहां बचत कर सकते हैं और कहां अनावश्यक खर्चों में कटौती की जा सकती है।

बीमा स्कीम की समीक्षा करें

हर किसी के लिए एक सेफ रिटायरमेंट के लिए बीमा बहुत जरूरी होता है। अपनी हेल्थ बीमा पॉलिसियों की समीक्षा करें और तय करें कि वे रिटायरमेंट के बाद के चिकित्सा खर्चों को कवर करती हैं.आपकी बढ़ती उम्र के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ते हैं, तो इसलिए पर्याप्त कवरेज होना हर किसी के लिए बहुत जरूरी होता है।

टाइम टू टाइम समीक्षा करें

आपकी रिटायरमेंट योजना हमेशा एक ऐसी नहीं रह सकती है वो इसलिए जीवन में बदलाव आते रहते हैं, तो ऐसे नें अपनी वित्तीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है और उसमें जरूरत के अनुसार बदलाव करना अहम होता है। हर साल या कुछ सालों में अपने निवेश, लक्ष्यों और बजट की समीक्षा करें ताकि आप सही रास्ते पर बने रहें। यानी कि ये कदम आपको और आपके जीवनसाथी को फाइनेंशियल स्थिरता और सुरक्षा के साथ-साथ एक आरामदायक और खुशहाल रिटायरमेंट के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। ■

आज ही बना लें मुश्किल वक्त के लिए 'एटीएम'

मुसीबत हम सभी की लाइफ में कब आ जाए हममें से कोई नहीं जानता है, लेकिन मुसीबत से पार पाने के लिए इमरजेंसी फंड का होना बहुत जरूरी होता है। असल में इमरजेंसी फंड एक ऐसी धनराशि होती है, जिसे आप किसी भी अप्रत्याशित खर्च या वित्तीय संकट के समय यूज करने के लिए अलग से रखते हैं। यह आपको अचानक आई परेशानियों, जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत आदि से निपटने में मदद करता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें।

बजट बनाएं और लक्ष्य तय करें : आप सबसे पहले, अपने मंथली खर्चों का हिसाब लगाएं। इसके बाद आपयह तय करें कि आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए कितने फंड की जरूरत पड़ा सकती है। यह साफ टारगेट आपको बचत करने में मदद कर सकता है।

छोटे कदम से शुरुआत करें : लाइफ में हमेशा एक बड़ा फंड बनाने में सभी को टाइम लगता है। तो आप हर महीने अपनी इनकम का एक छोटा हिस्सा बचाना शुरू कर सकते हैं, भले ही यह छोटी राशि हो, नियमित रूप से बचत करने से यह समय के साथ एक बड़ा फंड बन जाएगा।

बचत को ऑटोमेट करें : आप हमेशा के लिए बचत को अपनी आदत बनाने के लिए, अपनी सैलरी अकाउंट से एक अलग बचत खाते में हर मंथ एक फिक्स अमाउंट का ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट कर दें। ऐसा करने से आपकी सैलरी आते ही इमरजेंसी के लिए बचत हो जाएगी और आप इसे खर्च करने से बच जाएंगे।

कर्ज कम करने को प्राथमिकता दें : तो अगर आप पर कोई हाई ब्याज वाला कर्ज (जैसे क्रेडिट कार्ड का कर्ज) है, तो सबसे पहले उसे चुकाने पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा कर्ज से पूरी तरह से फ्री होने के बाद, आप अपने इमरजेंसी फंड के लिए अधिक बचत कर सकते हैं।

अलग और सुरक्षित जगह पर रखें : अपने इमरजेंसी फंड को अपने सामान्य बचत खाते से अलग रखें। इसको ऐसे ऑप्शन में इन्वेस्टमेंट करें जो सेफ हो और जिन्हें जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला भी जा सके।

कारोबार आइडिया

■ अगर आप ऐसा बिजनेस चाहते हैं जिसकी मांग कभी कम न हो, तो आटे का बिजनेस करें

■ भारत के कई हिस्सों में रोटी रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण आटे की डिमांड हमेशा रहती है व कमाई की संभावना लगातार

बिजनेस डेस्क

2.50 लाख में शुरू कर सकते हैं आटे का बिजनेस, हर महीने कर लेंगे मोटी कमाई

अगर आप भी नौकरी के अलावा बिजनेस करके खुद को स्टेबल कर मोटी कमाई करना चाहते हैं तो आपके लिए आटे का बिजनेस बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आप कम लागत में अच्छी कमाई का जुगाड़ लगा सकते हैं। रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। हर कोई चाहता है कि उसका बिजनेस लगातार चलता रहे और उसकी मांग कभी कम न हो। ऐसे में आटे का बिजनेस एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन सकता है। इसे शुरू करने के लिए लगभग 2.50 लाख रुपये तक का निवेश पर्याप्त है। भारत के उत्तर, मध्य और पूर्वी राज्यों में रोटी रोजना के खानपान का जरूरी हिस्सा है, जिससे गेहूं के आटे की खपत हमेशा बनी रहती है। यही कारण है कि इस कारोबार में मंदी आने की संभावना बेहद कम है। अगर आप सही मशीनरी, साफ-सुथरी प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकिंग का इस्तेमाल करें, तो ये बिजनेस जल्दी ही स्थायी कमाई का जरिया बन सकता है। गुणवत्तापूर्ण आटे की हमेशा डिमांड रहती है और ग्राहक अच्छे ब्रांड को पसंद करते हैं। सही प्लानिंग के साथ आप कम लागत में इस बिजनेस की मजबूत शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे इसे बड़े स्तर पर ले जा सकते हैं।

कहां से मिलेगा कच्चा माल

गेहूं की उपलब्धता ग्रामीण इलाकों और उनके आसपास आसानी से हो जाती है। लोग हमेशा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आटा पसंद करते हैं, जिससे इस कारोबार का बाजार लगातार मजबूत बना रहता है। गेहूं के लिए किसानों से संपर्क करें। इसके बाद जैसे ही फसल आए किसानों से गेहूं खरीद लें। फसल के मौके पर आपको सस्ता अनाज मिल सकता है। इसे एक कमरे में स्टोर कर लें। इसके बाद असानी से इसकी पिसाई कर बेचते रहें। गेहूं को अच्छे से सुखाकर स्टोर करेंगे तो यह खराब नहीं होगा और रोटी भी बढ़िया आएगी। खेतों में गेहूं की फसल होली के बाद आ जाती है। इसलिए आपको गेहूं खरीदने के लिए मार्च में की प्रयास शुरू कर देना चाहिए। सीधे खेतों से बढ़िया क्वालिटी का गेहूं खरीदें और आ बनाकर बेचते रहें। सबसे पहले गेहूं की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद सुखाए हुए गेहूं को मशीन से पीसकर आटा तैयार करें। अंत में इसे आकर्षक पैकिंग में भरें, ताकि ग्राहक तुरंत आकर्षित हों और ब्रांड पर भरोसा करें।

शुरुआती लागत पर ध्यान

इस बिजनेस में मशीनरी के लिए लगभग 1.25 लाख रुपये की जरूरत होगी, जिसमें चक्की, रोस्टर, सीलिंग मशीन, वजन तराजू, गैस कनेक्शन और बर्तन शामिल हैं। वर्किंग कैपिटल के रूप में करीब 1 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें कच्चा माल, वेतन, बिजली और गैस का खर्च शामिल होगा। इसके अलावा, बिल्डिंग पर 25,000 तक खर्च रुपये आ सकता है। इस तरह कुल निवेश 2.50 लाख रुपये के आसपास होगा।

हर महीने कितना मुनाफा

मौजूदा आंकड़ों के मुताबीक, इस बिजनेस से हर महीने करीब 1.15 लाख रुपये की बिक्री हो सकती है। वहीं, मासिक खर्च करीब 1.05 लाख रुपये तक रहेगा। यानी आपको हर महीने लगभग 10,000 रुपये या उससे ज्यादा का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है, जो बिजनेस बढ़ने के साथ और बढ़ेगा।

क्यों है आटे का बिजनेस फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। छोटे निवेश से भी इसकी शुरुआत की जा सकती है और क्वालिटी व पैकिंग पर ध्यान देकर इसे तेजी से बढ़ाया जा सकता है। सही मार्केटिंग के साथ आप इसे एक भरोसेमंद ब्रांड में बदल सकते हैं।

आटा बेचने के लिए विकल्प

- **भारत आटा बिक्री केंद्र :** सरकार द्वारा संचालित भारत आटा बिक्री केंद्रों पर आटा बेचा जा रहा है, जहां इसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ये केंद्र देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से आटा बेच रहे हैं।
- **मदर डेयरी के सफल स्टोर :** आप मदर डेयरी के सफल स्टोर से भी भारत ब्रांड का आटा खरीद सकते हैं।
- **नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार :** सरकार ने नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से भारत आटा और चावल की खुदरा बिक्री शुरू की है।
- **स्थानीय बाजार :** आप अपने स्थानीय बाजार में भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई स्थानीय बाजारों में आटे की दुकानें होती हैं जो ताजा और स्वादिष्ट आटा बेचती हैं।
- **आनलाइन प्लेटफ़ॉर्म :** आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई ऑनलाइन स्टोर और वेबसाइटें आटे की बिक्री करती हैं।

अब नया इनकम टैक्स कानून देगा लाखों टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत

जानकारी

बिजनेस डेस्क

संसद ने इनकम टैक्स बिल 2025 का संशोधित रूप से पास करते समय ऐसी कई गलतियों या खामियों को ठीक कर दिया है, जो पुराने ड्राफ्ट में हो गई थीं। इन संशोधनों को पास किए जाने से देश के लाखों टैक्सपेयर्स को भारी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा किए गए इन बदलावों में निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन, नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में सुधार जैसे कई अहम प्रावधान शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी कुछ बहम बदलाव जो टैक्सपेयर्स के ऊपर कई अच्छे असर डालेंगे। इससे आयकर रिटर्न भरना भी आसान हो जाएगा और कोई दिक्कत नहीं आएगी।

जीरो टीडीएस सर्टिफिकेट पर सुधारी गड़बड़ी

पुरानेइनकम टैक्स एक्ट 1961 में धारा 197 के तहत निल यानी जीरो और लोअर टीडीएस सर्टिफिकेट दोनों का प्रावधान था, लेकिन नए बिल के शुरुआती ड्राफ्ट में निल शब्द हटा दिया गया था। इससे उन टैक्सपेयर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी, जिनकी आय बेसिक छूट सीमा या सेक्शन 87ए रिबेट के बाद टैक्स फ्री होती है। संशोधित बिल में अब फिर से निल शब्द जोड़ दिया गया है, जिससे साफ हो गया है कि जरूरत पड़ने पर टैक्सपेयर्स निल टीडीएस सर्टिफिकेट ले सकते हैं। इससे अनावश्यक विवाद और रिफंड के झंझट से बचा जा सकेगा।

नॉन-एम्प्लॉइज को मिलेगी पेंशन टैक्स छूट

पहले ड्राफ्ट में कम्यूटेड पेंशन पर छूट सिर्फ कर्मचारियों को दी गई थी, जबकि मौजूदा कानून में यह सुविधा नॉन-एम्प्लॉइज को भी मिलती है, बशर्ते पेंशन अप्रूव्ड पेंशन फंड से आई हो। समिति ने इस असमानता को दूर करते हुए सिफारिश की कि नॉन-एम्प्लॉइज को भी यह छूट दी जाए. संशोधित बिल में यह बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब सभी पात्र लोग, चाहे वे सैलरीड हों या न हों, पेंशन की पूरी राशि पर छूट पा सकेंगे।

हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन की स्पष्टता

नए बिल में साफ कर दिया गया है कि हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर 30% का स्टैंडर्ड डिडक्शन म्यूनिसिपल टैक्स घटाने के बाद ही मिलेगा, जैसा कि मौजूदा कानून में है। इसके अलावा, पहले ड्राफ्ट में प्री-कंस्ट्रक्शन लोन इंटरेस्ट डिडक्शन सिर्फ सेल्फ-ऑक्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए था, जिससे किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के मालिकों को नुकसान होता. संशोधित बिल में अब किराए पर दी गई या मानी हुई किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के लिए भी यह डिडक्शन बहाल कर दिया गया है।

गोपनीय दान पर छूट के पुराने नियम बहाल

गैर-लाभकारी संगठनों के लिए पुराने कानून में कुल डोनेशन का 5% तक गुमनाम या गुप्त दान टैक्स फ्री होता था. नए बिल के पहले ड्राफ्ट में इसे गुमनाम दान का 5% कर दिया गया था, जिससे छूट का दायरा काफी घट जाता। समिति की सिफारिश के बाद संशोधित बिल में अब फिर से कुल डोनेशन का 5% वाला प्रावधान बहाल कर दिया गया है। इससे एनजीओ और चैरिटेबल ट्रस्ट पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ेगा।

- **संसद ने नए कानून को पास करते समय कई खामियों को ठीक किया**
- **पुराने ड्राफ्ट में कई खामियां सामने आई थी, लोगों को हो रही थी परेशानी**
- **निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन बदले**
- **नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में भी सुधार किए**

कमर्शियल प्रॉपर्टी पर नियम में सुधार

पहले ड्राफ्ट में सिर्फ ऑक्यूपाइड कमर्शियल प्रॉपर्टी को हाउस प्रॉपर्टी इनकम के टैक्स से बाहर रखा गया था, जिससे खाली पड़ी बिजनेस प्रॉपर्टी पर भी नोशनल रेंट लगने का खतरा था। समिति ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानून की तरह ऑक्यूपाइड और वैकेंट दोनों तरह की कमर्शियल प्रॉपर्टी को बाहर रखा जाए। संशोधित बिल में यह सुधार कर दिया गया है, जिससे बिजनेस के लिए रखी गई लेकिन फिलहाल खाली पड़ी प्रॉपर्टीज पर अनावश्यक टैक्स का टेंशन टल गया है।

कर ढांचे में बदलाव

- नई कर व्यवस्था में छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना होगा।
- 80एम कटौती को बहाल किया, जो कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट लाभांश को कटौती के दावे की अनुमति देता है।

टीडीएस और टीसीएस में बदलाव

- टीडीएस की सीमा बढ़ा दी गई है, जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है।
- टीसीएस की दरें बदली हैं, जैसे ओवरसीज रेमिटेंस स्कीम के तहत 7 लाख से लेनदेन पर टीसीएस की दर 0.5% से हटा दी है। अब 10 लाख से अधिक लेनदेन पर लागू होगी।

अन्य बदलाव

- धारा 206एबी और 206सीसीए को हटा दिया गया है, जिससे छोटे करदाताओं को राहत मिलेगी।
- यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कर लाभ बढ़ा दिए गए हैं।
- स्टार्टअप्स के लिए 100% कर छूट की अनुमति होगी जो 1 अप्रैल, 2030 से पहले स्थापित किए गए हैं।

नया इनकम टैक्स कानून, जिसे आयकर (नंबर 2) विधेयक, 2025 के रूप में जाना जाता है, लोकसभा द्वारा पारित किया गया है। यह विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

खबर संक्षेप

अपने कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए जसबीर दोदवा साथ में अन्य।

वाजपेई सुशासन के प्रेरणा स्रोत थे : दोदवा

सोनीपत। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा ने अपने कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष, करोड़ों कार्यकर्ताओं के पथ प्रदर्शक एवं हमारे प्रेरणा स्रोत, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी के सभी सम्मानित साथियों के साथ के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पुष्पांजलि दी और अटल जी के राष्ट्रहित, विकास व सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रण लिया। जसबीर दोदवा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व, उनकी वाणी और उनकी कार्यशैली हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत है। उनकी स्मृतियाँ कार्यकर्ताओं को राष्ट्र सेवा और जनकल्याण के लिए निरंतर समर्पित रहने की शक्ति देती रहेंगी। इस अवसर पर संजू सुरा, बलजीत खोकर, विनोद नैन, हरदीप, विजय, राजपाल, शीशपाल, अशोक डागर, धर्मवीर, पंकज सैनी, विनोद, रवि सहित कई सम्मानित साथी मौजूद रहे।

ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी पर्व मनाया

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व एक ही मंच पर उल्लास, श्रद्धा और सांस्कृतिक वैभव के साथ मनाए गए। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वतंत्रता दिवस की खुशी में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के रंगों की झलक दिखाई दी। मुख्य अतिथि स्कूल के एमडी अनिल मलिक रहे। अध्यक्षता प्राचार्या उषा कौशिक ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा तीसरी तक के नन्हें विद्यार्थियों द्वारा भगवान विष्णु के 8वें अवतार श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर महाभारत के गीता उपदेश तक के जीवंत मंचन से हुआ।

भगवान श्रीकृष्ण की वंदना से गूंजा स्कूल

गोहाना। शहर में गुढ़ा रोड स्थित जेएलएन वमाविं में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की वंदना से पूरा विद्यालय गूंज उठा। समारोह में विद्यार्थी भगवान श्रीकृष्ण, राधा रानी, सुदामा और बलराम सहित अन्य महापुरुषों के वेश में सजकर पहुंचे। समारोह में रवि, आरव, हर्षिता, दीक्षा, वंशिका, चिराग, छवि, अनन्या, आयु, युविका, तरुण, अविक, निवृति, वरदान, भाव्यांश, तनिष्क निवान, नक्ष, सौम्या, कनिष्क, गुरमीत, सानिया और आर्यन ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को किया याद

सोनीपत। सोनीपत के गांव फाजिलपुर में मंगलम सारथी फाउंडेशन ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर देशभक्ति और परंपराओं का संदेश दिया तथा वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का गौरव गान किया। संस्था संचालक लक्की रोहिला, पूनम और नीतू के नेतृत्व में प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में रामकिशन बत्रा, भारतीय योग संस्थान के जिला प्रधान जगदीश लोचब, संगठन मंत्री रामपाल गोयल, बीबी अरोड़ा, रामचन्द्र, प्रिंसी, आशा तथा मालती उपस्थित रहे।

भगवान श्रीकृष्ण से सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाने की प्रार्थना की

जिलेभर में धूमधाम से मनाया भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

कलाकार राहुल दीवाना ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नरेन्द्र नगर स्थित शिव मन्दिर में जन्माष्टमी का पावन पर्व हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। धार्मिक आयोजन का नेतृत्व शिव मन्दिर सुधार समिति ने किया, जिसमें नगर निगम सोनीपत के सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा राठधना, निगम पार्षद सूर्य दहिया और प्रिंस सरोहा ने विशेष रूप से शिरकत की।

इस अवसर पर सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा और निगम पार्षद सूर्या दहिया ने भगवान श्रीकृष्ण से सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में टी-सीरिज फेम कलाकार राहुल दीवाना ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए शिव मन्दिर सुधार समिति के सदस्यों ने अथक प्रयास किए, जिसकी सभी ने सराहना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें प्रिंस सरोहा साथ में पार्षद सूर्य दहिया का स्वागत करते हुए मंदिर के आचार्य मनमोहन मिश्रा। *फोटो :हरिभूमि*

श्रीकृष्ण ज्ञान-कर्म के अद्भुत महापुरुष थेः जैन

सोनीपत। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं नगर निगम मेयर राजीव जैन ने जन्माष्टमी के पर्व की बधाई देते कहा कि महानायक योगेश्वर श्रीकृष्ण ने गीता जैसे अभेद्य रक्षा कवच ग्रन्थ की रचना की, जिससे हजारों वर्ष तक भारतियों ने विदेशी आक्रमणकारियों को मुंह तोड़ जवाब दिया, इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ज्ञान, कर्म, भक्ति के अद्भुत महापुरुष थे। राजीव जैन ने प्राचीन ठाकुरद्वारा मंदिर के सौजन्य से सुबह आयोजित शोभा यात्रा में ठाकुर जी को रथ में विराजमान करवाया। रथयात्रा बैंडबाजों के साथ धूमधाम से पुराने शहर के बाजारों से निकाली गई। रथयात्रा का जगह जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा से स्वागत किया। इसके अतिरिक्त रात्रि में राजीव जैन ने बाबाधाम कामी रोड, कुष्ठ आश्रम सेक्टर 15, प्राचीन हनुमान मंदिर गोहाना रोड, देव नगर, गढ़ी ब्राह्मणान, अग्रवाल मंदिर गुड़ मंडी, भूरे बाबा मंदिर शिव नगर, दुर्गा मंदिर कच्चे क्वार्टर , एटलस मंदिर, नरेंद्र नगर, खाटू शयाम मंदिर, कुंडली, शिरडी साई धाम कबीरपुर, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम मंदिर जीवन विहार शिव दुर्गा मंदिर गोविन्द नगर, श्री बांके बिहारी मंदिर इंडस्ट्रियल एरिया सहित अनेकों स्थानों पर जन्माष्टमी के कार्यक्रमों में भाग लिया।

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों के साथ स्कूल स्टाफ।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर निकली झांकियां

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक नीरज शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन व विभिन्न झांकियों के उद्घाटन द्वारा किया। रीमा शर्मा, चंचल शर्मा भी उपस्थित रहे। बच्चों ने कृष्ण का बाल रूप, सुदामा की मित्रता, कृष्ण जन्मोत्सव की संपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या ने सभी अतिथियो का धन्यवाद व्यक्त किया।

सोनीपत। सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

जन्माष्टमी पर 101 सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

सोनीपत। मुरथल रोड स्थित शशिकान्त कौशिक ने अपने कार्यालय पर जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 101 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रत्येक सफाई कर्मचारी को एक थैले में टी-शर्ट, वाटर बॉटल और 101 रुपये भेंट किए। शशिकान्त कौशिक ने कहा कि स्वच्छता कर्मचारी समाज की स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। उनका योगदान सराहनीय और प्रेरणादायी है। ऐसे अवसर हमें उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस मोके पर स्थानीय गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

सोनीपत। लिटल एंजल्स स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के रूप में बच्चे।

लिटल एंजल्स स्कूल में मनाया जन्माष्टमी पर्व

सोनीपत। लिटल एंजल्स स्कूल, सोनीपत में जन्माष्टमी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्या आशा गोयल, उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा, मुख्याध्यापिका भारती दत्ता व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विद्यालय में श्रीकृष्ण के बाल रूप को दिखाते हुए एक सुंदर झूला बनाया गया। सर्वप्रथम सबने नंदलाल को माखन मिश्री का भोग लगाया।

श्रीकृष्ण का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक

गोहाना। बिचपड़ी गांव स्थित सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। समारोह में गुरु और शिष्यों ने भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य आशीष गोयल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है। उनका जीवन हमें धर्म, नीति, करुणा और कर्म का संतुलन सिखाता है। समारोह में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी करवाई गई। प्रतियोगिता में नीरू, छवि, जिया, वाणी, वंदना, जयंत, काव्या, अवानिका, मायरा और प्रयाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सुदेश व मीनाक्षी ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से देश प्रेम का संदेश देते जेकेआर स्कूल के विद्यार्थी।

जेकेआर पब्लिक स्कूल में मनाई जन्माष्टमी

- देशभक्ति : शहीदों के नाम को हमेशा ऊंचा रखेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना में महम मार्ग पर गुढ़ा चंगी के समीप स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से देश के शहीदों को नमन किया और उनके नाम को हमेशा ऊंचा रखने का संकल्प लिया। समारोह के लिए मार्गदर्शन मार्गदर्शन स्कूल के एमडी राजबीर राठी का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या नीति आर्या ने की। स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जन्माष्टमी पर्व

सोनीपत। आर्य समाज शान्ति नगर चार मरला सोनीपत के त्रिदिवसीय कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस, श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। प्रधान हरिचन्द स्नेही की अध्यक्षता में वैदिक विद्वान आचार्य संदीप दर्शनाचार्य, मुख्य प्रवक्ता एवं ब्रह्मा वैदिक विदुषी आचार्या डॉ. मनु आर्या, संगीत रत्ना सन्तोष आर्या ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में महात्मा वेद मुनि वानप्रस्थी, सतन देव सत्यम, मनोज चावला, भीम सैन, ऋषि पाल भड़ाना, सुनीता अरोड़ा, सुभाष रहेजा, जसवंत राय, कौशल्या देवी, राज करण यादव, जवाहर लाल बत्रा आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। आर्य समाज शांति नगर में कार्यक्रम के दौरान हवन करते हुए।

सोनीपत। दिल्ली विद्यापीठ में कृष्ण जन्माष्टमी मनाते हुए विद्यार्थीगण।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी

सोनीपत। दिल्ली विद्यापीठ में स्वतन्त्रता दिवस तथा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। समारोह के मुख्य अतिथि कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष कमल दीवान रहे। वहीं अन्य अतिथियों में प्रेम रेलन, राजेश गुप्ता, आचार्य संदीप, डॉ. सुदेश, हेमा खण्डेलवाल, अंजना गुप्ता शामिल थे। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। विद्यालय संचालक वीर सिंह सैनी ने सभी का धन्यवाद किया।

स्कूल-कॉलेजो में रही जन्माष्टमी की धूम

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

जिले भर के स्कूल कॉलेजों में शनिवार को जन्माष्टमी की धूम रही। छुट्टी होने के बावजूद कई स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय संस्कृति और बड़े त्यौहारों के प्रति बच्चों को जागरूक किया गया। विभिन्न कार्यक्रमों में बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का नाटक के माध्यम से मंचन किया। दूसरी ओर जिले भर के धार्मिक संगठनों द्वारा भी जन्माष्टमी के मौके पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छुट्टी होने के बावजूद कई स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय संस्कृति और बड़े त्यौहारों के प्रति बच्चों को जागरूक किया गया।

सोनीपतः हरिनाम संकीर्तन और श्री रामकथा का किया अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्री राम परिवार, सोनीपत द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं श्री रामकथा का अनुष्ठान इंद्रा कॉलोनी में रखा गया। इस अवसर पर विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन एवं पूर्व सीपीएस अनिल ठक्कर उपस्थित हुए। सभी ने प्रभु चरणों में नमन होकर आशीर्वाद लिया। संस्था के प्रमुख अरोड़ा ने श्रीरामचरितमानस के अंतर्गत श्री राम कथा के माध्यम से हनुमान सीता माता को धैर्य रखने के लिए कहते हैं और उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि श्रीराम जल्द ही उन्हें रावण की कैद से मुक्त कराएंगे। हनुमान के प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण को भी दर्शाता है। इस अवसर पर पवन सहगल, श्याम रहेजा, ललित बत्रा, राकेश बहल, कृष्ण पाल,अरूण धमीजा, जयपाल मदान, मदन बत्रा, महेश पांडे, नन्द किशोर, दिनेश अरोड़ा, अश्विनी शर्मा, जतिन, हंसराज, भोजदत, मुकेश, मनोज, धीरज उपस्थित थे। तत्पश्चात आरती एवं अमृतमय भण्डारे के साथ समपन्न हुआ।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित संस्था के पदाधिकारी साथ में श्रद्धालुगण।

प्रदूषण से बचाव के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं

सोनीपत। रेवली गांव स्थित कली नाथ कुश्ती अखाड़े में शनिवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त सोनीपत सुशील सारवान पहुंचे। कार्यक्रम इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और नीमा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रवीण वर्मा, मनीष ट्री, जगत और सुभाष सिसोदिया ने बनाई। डॉक्टरों और समाजसेवियों ने मिलकर बड़ी संख्या में पौधारोपण किया। इस अवसर पर आईएमए की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा सेठी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा साधन वृक्षारोपण है। प्रदूषण से बचाव और स्वच्छ वातावरण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। वहीं, नीमा अध्यक्ष डॉ. मनोज राय ने डॉक्टरों की टीम के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और वृक्षारोपण कर सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम में डीआईपीआरओ सोनीपत राकेश गौतम, सुभाष सिसोदिया, जगत आनंद, प्रेम गौतम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी रहा।

रोटरी क्लब ने गुरुकुल के बच्चों के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रोटरी क्लब सोनीपत ने 79वां स्वतंत्रता दिवस श्री राम कृष्ण साधना केंद्र, मुरथल में मनाया। यह आयोजन स्वामी दयानंद महाराज के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ, जिसमें क्लब के पदाधिकारी, सदस्य और गुरुकुल के बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से हुई।

संचालन की जिम्मेदारी रोटेरियन राजकुमार सरदाना ने निभाई। क्लब अध्यक्ष रजत डोडा ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों ने गुरुकुल के बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें पौष्टिक भोजन परोसा और खेल सामग्री व स्टेशनरी किट्स वितरित की। कार्यक्रम का समापन पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन राजीव गर्ग के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर क्लब के सचिव रोटेरियन संजय अरोड़ा, विजय मेहता, राजीव कठपालिया, वेद चौधरी, आशीष, सुरेन्द्र दहिया, योगेश भगत उपस्थित रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सामान वितरित करते हुए।

सुविधा विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन ने विकास कार्यों का किया शुभारंभ

1.19 करोड़ रुपये से डाली जाएंगी सीवर लाइन, पानी ओवरफ्लो से मिलेगी निजात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

वार्ड नं 11 के कच्चे क्वार्टर में शनिवार को विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने विकास कार्यों का शुभारंभ किया। निगम द्वारा 1 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से सभी गलियों और मुख्य सड़क पर नई सीवरेज लाइन बिछाई जाएगी, जिससे लोगों को सीवरेज ओवरफ्लो और दूषित जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी। विधायक निखिल मदान ने कहा कि कच्चे क्वार्टर में पुरानी सीवर लाइन के पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने के कारण पिछले कई महीने से कई जगह सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है, जिसके चलते लोगों के घरों और दुकानों के आगे दूषित जल भराव हो रहा है। सीवर डालने का कार्य दो से तीन सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। मेयर राजीव जैन ने वार्ड नंबर 11 के कार्य में कच्चे क्वार्टर की सभी गलियों में नई सीवर लाइन बिछाई जाएगी। साथ ही बाजार की मुख्य सड़क सुभाष चौक से अमृतसरी स्वीट्स तक भी सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सीवर लाइन बिछाने के काम का शुभारंभ करते विधायक व मेयर साथ में अन्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर निगम पार्षद इंदु वलेचा, संजीव वलेचा, वासुदेव सुखीजा, जवाहर चांदना, राकेश चोपड़ा, नरेश छाबड़ा, लव भूटानी, अमित सुखीजा, अमित बत्रा, बिट्टू कामरा, पवन तनेजा, ओम प्रकाश अरोड़ा, जितेंद्र सहगल, पंकज शर्मा, अविनाश मलिक, मनोज छाबड़ा, नवीन चौहान, बिट्टू जैन, अनिल शर्मा, यशपाल, सोनू कामरा, अमन गिरधर, ओम प्रकाश, संजय चौहान, अजमल सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सोनीपत। पौधे रोपित करते फाउंडेशन के पदाधिकारी साथ में अन्य।

अभियान चलाकर लगाए 15 पौधे

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा इंडस्ट्री एरिया में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज कि मुहिम में फलदार व छायादार बेलगारी जामुन आवले के 15 पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि सभी को अभी बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए और जब तक वह पेड़ नहीं बन जाते उनकी देखभाल करें। इस अवसर पर अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, प्रवीन दहिया, रविंद्र हुड्डा, सुशील जागलान, अजय गर्ग, आयुष, अक्षिता, सोनू उपस्थित रहे।

मेयर ने विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर किया ध्वजारोहण और शहीदों को श्रद्धासुमन किए अर्पित

जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर स्वतंत्रता दिवस की धूम

शहीदों का सम्मान करना हमारा फर्ज : मेयर

सोनीपत। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में ध्वजारोहण करते हुए मेयर राजीव जैन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने स्वतंत्रता दिवस के दर्जनों से ज्यादा कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के बलिदानियों ने निस्वार्थ अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया, यही भावना हर देश के नागरिक में होनी चाहिए तभी देश विश्व गुरु बनेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा चौक से महाराजा अग्रसेन भवन एवं विजय हाई स्कूल से देवीलाल चौक तक तिरंगा यात्रायें निकाली गई। सामुदायिक भवन सेक्टर 14, शास्त्री पार्क पुरानी कचहरी, गांव कालूपुर, सक्सेना हस्पताल, महाराजा अग्रसेन भवन, अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मलेन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर फाजिलपुर गांव में मां भारती जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर तथा बालाजी धाम, बहालगढ़, स्प्रेड स्माइल सेक्टर 12 में ध्वजारोहण के बाद स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि देश के शहीदों का सम्मान करना हमारा फर्ज बनता है और उनका कर्ज हम उतार नहीं सकते। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों को भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

स्वतंत्रता दिवस पर विधायक पवन खरखौदा ने किया ध्वजारोहण

खरखौदा। ध्वजारोहण कर तिरंगें को सलामी देते पवन खरखौदा।

खरखौदा। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में खरखौदा में उपमंडल स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। विधायक पवन खरखौदा ने बतौर मुख्यातिथि ध्वजारोहण किया। परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। इससे पहले उन्होंने व अन्य अधिकारियों के साथ जागृति स्थल पर महान विभूतियों की प्रतिमाओं को नमन किया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विधायक ने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में बच्चों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर में कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल निदेशिका समीक्षा पंवार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। कबूतरों को हवा में उड़ाकर आजादी के इस महान पर्व की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों द्वारा अनेक नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। स्कूल प्राचार्या डॉ. किरण दलाल, स्कूल एकेडेमिक डायरेक्टर सीएम विज, डायरेक्टर ऑपरेशन्स डॉ. गौरव शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गोहाना। देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं।

स्वतंत्रता दिवस हमारे आत्म सम्मान का प्रतीक : सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में छात्राओं ने हरियाणवी लोक नृत्य सहित देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुत किए। कुलपति प्रो. सुदेश ने ध्वजारोहण किया। प्रो. सुदेश ने कहा कि यह दिन केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं है बल्कि यह हमारे आत्मसम्मान, हमारी पहचान और हमारी सामूहिक स्मृतियों का जीवंत प्रतीक है। 15 अगस्त 1947 का वह ऐतिहासिक क्षण जब हमारे देश ने पराधीनता की बेड़ियां तोड़ीं वह केवल राजीतिक आजादी का संकेत नहीं था बल्कि वह हमारे सपनों और संभावनाओं के द्वार खोलने वाला क्षण था।

साउथ पॉइंट स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

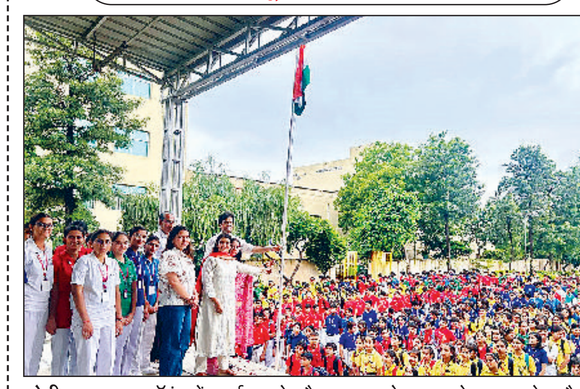

सोनीपत। साउथ पॉइंट में कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण करते हुए ग्रुप चेयरमैन साथ में अन्य।

साउथ पॉइंट स्कूल में ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम शुरू किया। राष्ट्रगान की गूंज से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया और देशभक्ति गीतों, कविताओं व नृत्यों से उपस्थित जनसमूह की रगों में जोश भर दिया। इस मौके पर संस्थान के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री, वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री, सीईओ भावना कालरा, कार्यकारी निदेशक डा. ममता सचदेवा आदि मौजूद रहे।

टीकाराम कन्या कॉलेज में प्राचार्या ने दी बधाई

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय में ध्वजारोहण करते हुए प्राचार्या साथ में अन्य।

सोनीपत। महाविद्यालय के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या कंचन सीधर ने तिरंगा झंडा फहराकर सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। साथ ही शिक्षक व गैर शिक्षक वर्ग भी मौजूद रहे। टीकाराम शिक्षा समिति क प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने भी सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

देश के शहीदों की कुर्बानी व्यर्थ न जाने पाए : धर्मवीर

गोहाना। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को नमन करते हुए डीबीएम स्कूल के शिक्षक व अतिथि।

गोहाना। गोहाना के गांव मदीना में स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। समारोह में देश के वीर शहीदों को याद करते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। मुख्य वक्ता संस्थान के चेयरमैन धर्मवीर मलिक ने कहा कि हमारे देश के शहीदों ने जो कुर्बानी देश के लिए दी है वह कभी व्यर्थ न जाने पाए। उनकी हमें उनकी कुर्बानी को याद करते हुए अपने देश की अस्मिता व उसके मान-सम्मान को हमेशा बनाए रखना होगा। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के एमडी विकास मलिक ने की। समारोह में भारत माता की प्रतिमूर्ति के रूप में कक्षा छठी की छात्रा परी सजी हुई नजर आई। समारोह में छात्राएं दीया, रैंसी, रवीश, दीक्षा व अदिति सहित अन्य विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से मिली आजादी : सुरेंद्र पंवार

सोनीपत। पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए।

सोनीपत। सोनीपत से पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि स्वतंत्रता हमें कोई एकाएक नहीं मिली थी, बल्कि यह देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के दशकों तक किए गए कड़े संघर्ष, त्याग, तपस्या व बलिदान का नतीजा था। इन आजादी के मतवालों ने देश को आजाद करवाने में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नरेंद्र नगर स्थित सैंट ज्यूड एकेडमी, जिला कांग्रेस भवन, मॉडल टाऊन स्थित गीता ज्ञानेश्ववर स्वामी डॉ दिव्यानंद महाराज आश्रम, अग्रसैन भवन सहित शहर के अनेकों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत कर शहरवासियों को संबोधित कर रहे थे। विभिन्न कार्यक्रमों में पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने ध्वजारोहण किया।

जीवीएम स्कूल में छात्राओं ने दी प्रस्तुतियां

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कालेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व उप-प्राचार्या डा. सुमन नासा ने वीर शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए आजादी के महोत्सव की बधाई दी। समारोह में विशेष रूप से एनसीसी व एनएसएस तथा वाईआरसी की छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों से महकाया। समस्त कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा।

पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

सोनीतप। ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित नृत्य–नाटक की प्रस्तुति देने वाली पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल की टीम को पुरस्कृत करते विधायक देवेंद्र कादियान।

सोनीपत। पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल, कामी रोड में स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। पूर्ण मूर्ति कैंपस के चेयरमैन डॉ.विजयपाल नैन ने सचिव गौतम नैन, स्कूल की प्राचार्या हिमानी दहिया व उप प्राचार्य वरुण के साथ ध्वजारोहण किया। छात्र-छात्राओं ने देश भक्ति से ओत प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं गन्नौर में आयोजित उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्कूल के विद्यार्थियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर नृत्य-नाटक प्रस्तुत किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल की टीम को पुरस्कृत भी किया।

शहीदों की बदौलत हम आजादी की हवा में सांस ले रहे

गन्नौर। जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य योगेश कौशिक का स्वागत करते हुए स्कूल निदेशक।

गन्नौर। गांधी नगर में स्वतंत्रता दिवस, तिरंगा रैली व जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया। जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य योगेश कौशिक ने मुख्य अतिथि शिरकत की व विशिष्ट अतिथि भावना जगया व नरेश कौशिक ने शिरकत की। मुख्य अतिथि योगेश कौशिक ने कहा कि आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं वह उन महान शहीदों की बदौलत है। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, देशभक्ति गीतों से मन मोह लिया। विद्यालय के निदेशक संजीव राय, प्रबंध निदेशक शिल्पा राय, प्रधानाचार्या आरती त्यागी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

ज्ञान गंगा स्कूल में जश्न-ए-आजादी की धूम

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभक्ति के जज्बे को प्रदर्शित करती छात्राएं।

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में हर्षोल्लास व उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। स्कूल परिसर में आयोजित समारोह में प्राचार्या गीता चोपड़ा ने ध्वजारोहण करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति विषय पर कविता, भाषण, गीत, नृत्य और नाटक की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर नीरजा, महक व गीता राणा, श्वेता, नमिता, मधु, मीनाक्षी, मोनिका, बीना, कुसुम, ज्योति, सोनिया मदान आदि मौजूद रहे।

शिवा शिक्षा सदन में बच्चों ने किया मार्च पास्ट

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन में स्वतंत्रता दिवस का समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से हुई। इसके पश्चात 122 विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर 306 विद्यार्थियों ने इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। विद्यालय के मैनेजर वीरेंद्र कुमार बंसल ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। निदेशक अरुण बंसल ने विद्यार्थियों को जीवन के उपयोगी चीजों पर जोर दिया। समारोह के अंत में प्राथमिक विभाग की उप-प्रभारी अर्चना कामरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

तिरंगा चौक पर फहराया 71 फीट ऊंचा तिरंगा

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मेयर एवं फाउंडेशन के पदाधिकारी और सदस्यगण।

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगा चौक पर 71 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया। मेयर राजीव जैन द्वारा सोनीपत की सामाजिक, धार्मिक व व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रीय गान का आयोजन कर प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर संजय सिंगला, वाई के त्यागी, प्रवीण वर्मा, संजय वर्मा, सतीश ठेकेदार, दिनेश कुच्छल, बलराज वशिष्ठ, जयबीर गहलावत, एएसआई जगत सिंह, लालसिंह, अशोक खत्री, मास्टर दिलबाग सिंह, हवा सिंह आंतिल, रामनारायण गोयल, रविन्द्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

मदर्स मुस्कान स्कूल में बच्चों ने दी प्रस्तुतियां

सोनीपत। मदर्स मुस्कान स्कूल में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

सोनीपत। मदर्स मुस्कान स्कूल, में स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि गीता कौशिक, इनरव्हील क्लब अध्यक्ष अनीता मदान द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति नृत्य, कविताएं और लघु नाटक आदि शामिल थे। स्कूल संस्थापक बबीता कौशिक ने सभी का आभार प्रकट किया।

फिम्स अस्पताल में किया गया ध्वजारोहण

सोनीपत। फिम्स अस्पताल परिसर में फिम्स के चीफ मैडिकल डायरेक्टर डॉ. अनिल जैन ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक रजत जैन, निदेशक श्रुति जैन, शिल्पी जैन, सचिन जैन, सीएमडी अनिल जैन, सीएमएस डा. (मेजर) वाईबी शर्मा, अस्पताल संचालन महाप्रबंधक डा नेहा अग्रवाल, प्रशासक डा कर्मवीर सिंह, चीफ ग्रीवैन्सिस ऑफिसर अर्जुन सिंह, लेखाधिकारी ओंकार जैन, जनसंपर्क अधिकारी महेश सरदाना आदि मौजूद रहे।

श्रीराम रेजिडेंसी में मनाया स्वतंत्रता दिवस

सोनीपत। श्रीराम रेजिडेंसी में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति प्रबुद्ध जन।

सोनीपत। राम रेजिडेंसी सोनीपत में स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ रेजिडेंट्स द्वारा ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। कार्यक्रम में सभी निवासियों ने मिलकर देशभक्ति गीत गाए और आजादी के अमर शहीदों को याद किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। नफे सिंह, भीम सिंह कौशिक, आजाद सिंह, सुरेश कौशिक, नरेंद्र गौड़, सुरेश खोखर आदि मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा व रक्तदान शिविर आयोजित

सोनीपत। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए।

सोनीपत। अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई द्वारा शुक्रवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जिसकी शुरुआत तिरंगा चौक से एडवोकेट महावीर प्रसाद मित्तल द्वारा हरी झंडी दिखा कर की गई, जिसमे सैकड़ों लोगों ने भाग लिया यात्रा का समापन गीता भवन चौक, बस अड्डा, सेक्टर 14 होते हुए महाराजा अग्रसेन भवन पर हुआ। इसके बाद भवन में विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया।

विधायक निखिल मदान ने किया ध्वजारोहण

सोनीतप। कार्यक्रम के दौरान लोगों को सम्मानित करते हुए विधायक मदान।

सोनीपत। 79 वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर सोनीपत के विधायक निखिल मदान ने जिला अंबाला के बराडा उप मंडल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण किया और देशवासियों को शुभकामनाएं दी। विधायक निखिल मदान ने जिला पुलिस, एनएसएस और एनसीसी टुकड़ी द्वारा निकाली गई परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इस दौरान विधायक निखिल मदान ने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों और आश्रितों से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना और उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधायक निखिल मदान ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

देश की आजादी का मनाया जश्न

सोनीपत। आजादी के 79वें दिन को जिले भर में जश्न के तौर पर मनाया गया। चाहे वो कोई स्कूल हो या कॉलेज या फिर कोई अन्य संस्थान, लगभग हर जगहों पर भारत के मान तिरंगा का ध्वजारोहण किया गया। विभिन्न कार्यक्रमों में बच्चों ने देशभक्ति कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए लोगों को देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत कर दिया। विभिन्न कार्यक्रमों में शहर के गणमान्य लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के

असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर

दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

लुढ़कते लोटे

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढ़ने लगे तो ढूंढ़ते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तक: उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना), **संपादक:** कैलाश बाजपेयी, **मूल्य:** 245 रुपए, **प्रकाशक:** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

सांस्कृतिक उत्सव / धीरज बसाक

बहुत अनोखा-सांस्कृतिक पर्व मिजोरम का मिम कुट उत्सव

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम में मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव वैसे तो फसल कटाई का उत्सव है, लेकिन इस उत्सव में लोग अपने समुदाय के दिवंगत हुए लोगों को भी याद करते हैं। अनोखे और उल्लासपूर्ण ढंग से मनाए जाने वाले मिम कुट उत्सव के बारे में जानिए।

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव, यहां की आत्मा में बसा पर्व है। यह पर्व मिजोरमवासियों को पूर्वजों की स्मृति के उल्लास से सामूहिक रूप में जोड़ता है। इस उत्सव में वे न केवल प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं बल्कि अपनी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और मानवीय संबंधों की जीवंतता का भी उल्लास मनाते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब पूरा समाज मिलकर पूर्वजों की याद में हंसता, गाता है, तो ऐसा समाज अतीत को उत्सव के रूप में मनाता है।

सांस्कृतिक आत्मा में बसा उत्सव: वास्तव में भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम की सांस्कृतिक आत्मा में यहां का मिम कुट उत्सव रचा-बसा है। मिम कुट उत्सव कहने को तो एक फसल पर्व है, लेकिन इसमें जीवन के उल्लासपूर्ण दर्शन का पूरा आख्यान छिपा है। वास्तव में मिजो भाषा में मिम का मतलब होता है मक्का यानी मक्का और कुट का मतलब होता है त्योहार, यानी मिम कुट उत्सव प्रत्यक्ष रूप में मकई की बेहतर फसल का उत्सव है। यह उत्सव मकई की भरपूर फसल होने के खुशी में मनाया जाता है। लेकिन मकई तो कृषि जीवन का एक प्रतीक भर है। यह वास्तव में परिवार के पूर्वजों की स्मृति का उत्सव और स्मृति के शोक को उल्लास में बदलने का ढंग है।

उल्लास से करते हैं पूर्वजों को याद: मिम कुट उत्सव में परिवार के उन सभी बुजुर्गों/पूर्वजों को याद किया जाता है, जिनका उस साल या अतीत में निधन हुआ है। लेकिन यह दिवंगत बुजुर्गों को शोक संतप्त ढंग से याद करने का उत्सव नहीं है बल्कि ढोल की थाप में पूर्वजों की स्मृति को साझा करने का पर्व है। यह पर्व बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कैसे मनाया जाता है उत्सव: यह पर्व पारंपरिक लेकिन उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया जाता है, जिसमें पहले पक चुकी मक्का की बालियों को भूनकर गांव भर के पूर्वजों और देवी देवताओं की आत्माओं को समर्पित किया जाता है। इसके बाद गांव भर के लोग सामूहिक रूप से एकत्रित होते हैं। परंपरागत वेशभूषा में पुरुष और महिलाएं मिलकर चेराओ नृत्य करते हैं। यह नृत्य स्थानीय ढोल, गोंग और बांसुरी के साझा संगीत में संपन्न होते हैं। इस समारोह में पारंपरिक भोज और पेय की विशेष व्यवस्था होती है। खास करके 'जू' नाम की चावल से बना एक विशेष पारंपरिक पेय, इस भोज और उत्सव की खास पहचान होती है। यह पेय पूरे गांव के लोगों के बीच सामूहिक रूप से बांटा जाता है। इस पेय के साथ खाए जाने वाले तरह-तरह के पकवान भी पूरे गांव के लोग मिलकर बनाते हैं या इनकी व्यवस्था करते हैं।

इस बार कब मनाया जाएगा उत्सव

मिम कुट उत्सव हर साल अगस्त माह के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक इस साल 1 से 3 सितंबर 2025 के बीच यह उत्सव मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मिजोरम में स्थानीय चंद्र पंचांग का चलन है, जो कि फसल की स्थिति और सामूहिक सहमति पर निर्भर होता है। इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर की तारीखों से यह आगे पीछे भी हो सकता है।

जब पूरे गांव के सभी बड़े, बुजुर्ग और बच्चे खाने-पीने और संगीत की मस्ती में झूम रहे होते हैं, तब युवा लोग अपनी तीरंदाजी और दूसरे खेल कौशलों, कुश्ती का प्रदर्शन करते हैं।

सामूहिकता में सामाजिकता की झलक: मिम कुट उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता है। इसमें किसी जाति, वर्ग, उम्र, लिंग के लोगों का कोई भेद नहीं रहता। सब लोग एक साथ मिलकर यह उत्सव मनाते हैं। इससे सामूहिकता मजबूत होती है और सामाजिकता को भरपूर सम्मान मिलता है। इस उत्सव में जो भी लोग अपने-अपने घरों से लाते हैं, वह सामूहिक रूप से एक जगह इकट्ठा कर लिया जाता है। फिर इन तमाम चीजों का लोग मिलकर भरपूर आनंद लेते हैं। कोई नहीं जानता कि वह किसकी क्या चीज का आनंद ले रहा है। इसके साथ ही गांव के सभी लोग मिल कर नृत्य करते हैं। मिलकर भोजन तैयार करते हैं और मिलकर इस सबका आनंद लेते हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र: मिजोरम का मिम कुट उत्सव केवल एक पारंपरिक पर्व भर नहीं है बल्कि यह एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है, जो पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करता है। देश-विदेश से आए पर्यटक मिजो संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा और पारंपरिक जीवनशैली से परिचित होते हैं। इस पर्व के दौरान पर्यटकों के पास स्थानीय लोगों की हस्तशिल्प और दस्तकारी की कई अद्भुत चीजों को नजदीक से देखने और खरीदने का मौका मिलता है। पर्यटक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनकी ही जैसी पोशाक पहनकर, उनके ही जैसे लोकनृत्य करने की कोशिश करते हैं और इसका भरपूर आनंद लेते हैं। इस उत्सव में भाग लेने से पर्यटकों को प्रामाणिक जनजातीय अनुभव होते हैं। मिजोरम टूरिज्म विभाग अब इस उत्सव को अपने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर में भी प्रमोट कर रहा है।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में मिम कुट महोत्सव: ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में दुनियाभर की संस्कृतियां एक-दूसरे से मेलजोल कर रही हैं, एक-दूसरे को जान-पहचान रही हैं। ऐसे समय में मिजो संस्कृति अपनी उदारता और खुलेपन के कारण दुनिया भर को आकर्षित कर रही है। मिम कुट उत्सव बताता है कि अगर आपके अंदर अपनी संस्कृति, अपनी पहचान धड़कती है, तो वैश्वीकरण की धुंध आपको प्रभावित नहीं कर सकती। आपकी अपनी चमक और धमक दोनों ही बनी रहती हैं। मिम कुट उत्सव जैसे पर्व इस वैश्विक समाज में अपनी शानदार सांस्कृतिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिम कुट उत्सव जहां एक ओर स्थानीय मिजोवासियों को दुनिया के साथ मेल-जोल बढ़ाने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर यह उत्सव दुनिया के लिए मिजो संस्कृति की खिड़की खोलता है। *

पहली जॉब के लिए जरूरी हैं ये तैयारियां

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हर यंगस्टर अच्छी जॉब चाहता है, ताकि उसका करियर ब्राइट बन सके। लेकिन इसके लिए आपको कुछ तैयारियां जरूर करनी चाहिए और खुद में कुछ स्किल्स भी डेवलप करनी चाहिए। इनके बारे में जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

पहली जॉब शुरू करना किसी भी युवा के लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण कदम होता है। यह न केवल एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है, जिसका सही उपयोग करके आप पेशेवर दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं और आगे चलकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कुछ आदतों और तैयारियों की आवश्यकता होती है। इन तैयारियों और आदतों को अपनाकर आप न केवल जल्दी और अच्छा जॉब पा सकते हैं, बल्कि अपने करियर की मजबूत शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे-कवर लेटर: एक संक्षिप्त, आकर्षक और जॉब के लिए अनुकूलित रिज्यूमे बनाएं। अपनी उपलब्धियों को हाइलाइट करें। प्रत्येक जॉब आवेदन के लिए कवर लेटर को कस्टमाइज करें, जिसमें कंपनी और रोल के प्रति आपका उत्साह दिखे। रिज्यूमे में ऐसे कीवर्ड्स का उपयोग करें जो जॉब डिस्क्रिप्शन से मेल खाते हों। इंटरव्यू की समुचित तैयारी करें। सामान्य इंटरव्यू सवालों की प्रैक्टिस करें। कंपनी और जॉब रोल के बारे में रिसर्च करें। मॉक इंटरव्यू के लिए दोस्तों या मेंटर्स की मदद लें।

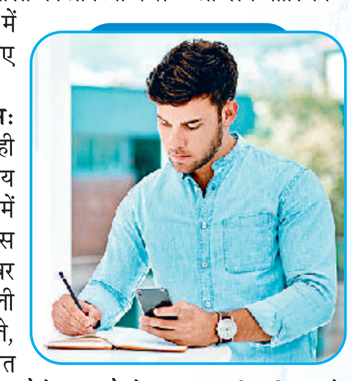

अनुशासन-समय प्रबंधन: कॉरपोरेट जगत में समय का सही प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर काम पूरा करना, मीटिंग्स में समय पर पहुंचना और डेडलाइंस का पालन करना आपके पेशेवर दृष्टिकोण को दर्शाता है। पहली जॉब में प्रवेश करने से पहले, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें। एक डायरी या डिजिटल टूल जैसे गूगल कैलेंडर का उपयोग करें, ताकि आप अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकें। एक रुटीन बनाएं, जिसमें जॉब सर्च, स्किल डेवलपमेंट और नेटवर्किंग के लिए समय हो। हर हफ्ते 10-15 जॉब एप्लीकेशंस भेजने का लक्ष्य रखें। सुबह जल्दी उठने की आदत डालें, ताकि आप दिन की शुरुआत तरोताजा और ऊर्जावान तरीके से कर सकें। समय प्रबंधन की यह आदत न केवल आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि आपके सहकर्मियों और बॉस पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

संवाद कौशल: कॉरपोरेट सेक्टर में प्रभावशाली संवाद एक अनिवार्य गुण है। चाहे वह ई-मेल लिखना हो, मीटिंग में अपनी बात रखना हो या सहकर्मियों के साथ विचार-विमर्श करना हो, स्पष्ट और संक्षिप्त बातचीत आपके विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। पहली जॉब के लिए, अपने लिखित और मौखिक कम्युनिकेशन को निखारें। औपचारिक ई-मेल लिखने का अभ्यास करें, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहने की कला सीखें और सक्रिय श्रोता बनें। यदि आपकी अंग्रेजी या अन्य संवाद भाषा में कमी है, तो उसे सुधारने के लिए ऑनलाइन कोर्स या प्रैक्टिस सेशन में शामिल हों।

प्रोफेशनल एटीट्यूड: यह स्किल आपके करियर की नींव मजबूत बनाता है। जॉब ज्वाइन करने से पहले, कार्यस्थल के ड्रेस कोड, व्यवहार और संस्कृति को समझने की कोशिश करें। हमेशा पॉजिटिव और प्रॉब्लम सोल्विंग अप्रोच अपनाएं। यदि आपसे कोई गलती होती है, तो उसे स्वीकार करें और उससे सीखें। यह आपके सहकर्मियों और बॉस के बीच आपकी विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

तकनीकी कौशल जरूरी: आज के डिजिटल युग में, तकनीकी कौशल कॉरपोरेट सेक्टर में सफलता के लिए अनिवार्य हैं। अपनी जॉब प्रोफाइल के अनुसार जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स सीखें। अपनी फील्ड से संबंधित तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे कम्युनिकेशन, टाइम मैनेजमेंट, टीमवर्क) सीखें। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स (जैसे कोर्स, एरा, उडेमी, लिंक्डइन लर्निंग) से सर्टिफिकेशन कोर्स करें। प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग जैसे ट्रेंडिंग स्किल्स पर फोकस करें, अगर वे आपके क्षेत्र से मेल खाते हों।

आत्मविश्वास-पहल: पहली जॉब में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता आपको जल्दी सफलता दिला सकती है। अपने विचारों को साझा करने से न डरें और नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें। उदाहरण के लिए यदि किसी प्रोजेक्ट में सुधार की गुंजाइश है, तो सुझाव देने में संकोच न करें। हां, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच संतुलन बनाए रखें। *

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

देसी आबोहवा का विदेशी पेड़ हिमालयन मेपल

भारत में सड़कों के किनारे यूं तो पारंपरिक रूप से नीम, इमली, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, कचनार आदि के पेड़ लगे देखे जाते हैं। लेकिन हाल के सालों में सड़कों के किनारे, शहर की पॉश कालोनियों, बड़े पार्कों और कई दूसरी जगहों पर एक चौड़ी लाल, पीली और नारंगी पत्तियों वाला पेड़ भी लगाया जाना शुरू हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के अलग-अलग इलाकों में खासतौर पर देखा जाता है। इसे हिमालयन मेपल या एसर ओब्लोंगम या कश्मीर मेपल या पेंटेड मेपल या ओक भी कहते हैं। सरल शब्दों में यह मेपल का पेड़ है, जिसका मूल निवास यूं तो उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, चीन और एशिया के कुछ देशों में है, लेकिन 132 प्रजातियों वाले सैपिंडेसी परिवार के इस मेपल के पेड़ की कुछ प्रजातियां भारत में भी पाई जाती हैं।

मेपल कनाडा का राष्ट्रीय वृक्ष है, कनाडा के झंडे और राज्य चिन्ह में भी मेपल की पत्तियां देखी जा सकती हैं। मेपल का पेड़ अनुकूल परिस्थितियों में कई सौ सालों तक मजबूती से खड़ा रहता है। मेपल का पेड़ ताकत और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। सर्दियों में मेपल के पेड़ से एक-एक करके उसकी रंग-बिरंगी सारी पत्तियां झड़ जाती हैं और पेड़ के नीचे चौड़ी और रंगीन पत्तियों का ढेर लग जाता है। पहले यह भारत में सिर्फ हिमालयी क्षेत्र में ही दिखता था, लेकिन अब देश के बड़े शहरों के सौंदर्यीकरण के चलते यह इन शहरों के खूबसूरत पार्कों, पॉश कालोनियों और चौड़ी सड़कों के किनारे भी देखा जाता है।

कई रूपों में उपयोगी: भारत में ज्यादातर पाए जाने वाले हिमालयन मेपल के बड़े फायदे हैं। इसकी लकड़ी, फर्नीचर और निर्माण के कार्य में बहुत उपयोगी साबित होती है। इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। कई मधुमक्खी प्रजातियों को यह बहुत आकर्षित करता है, इसलिए यह शहद उत्पादन में बहुत सहायक होता है, क्योंकि इसकी लाल, पीली पत्तियां इसे बेहद आकर्षक और शानदार पेड़ का दर्जा दिलाती हैं, इसलिए विशेष तौर पर कश्मीर में इसे पार्कों के किनारे बड़े करीने से लगाया जाता है। जापानी मेपल जैसी कुछ प्रजातियों की भी अच्छी कीमत मिलती है। खूबसूरत पर्यटन स्थलों में यह जगहों की शोभा बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भी लगाया जाता है। *

यूजफुल डिवाइस
संध्या सिंह

घर, ऑफिस की सुरक्षा का मामला हो या बैंक, स्कूल की, हर कहीं सब कुछ चुपचाप अपनी नजरों में कैद करता रहता है सीसीटीवी कैमरा। इसकी उपयोगिता बढ़ने की कई वजहें हैं, इनके बारे में आप भी जानना चाहेंगे।

सब पर नजर रखता सीसीटीवी कैमरा

आज के डिजिटल युग में सीसीटीवी कैमरा महज एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी 'तीसरी आंख' बन चुका है, जो हर पल, हर कोने में नजर रखता है- चाहे कोई जानता हो या न जानता हो। यह कैमरा न बोलता है, न टोकता है, लेकिन उसकी नजरें चुपचाप सब कुछ देखती और रिकॉर्ड करती हैं।

सब कुछ देखता चुपचाप: बाजार, स्कूल, दफ्तर, रेलवे स्टेशन, गलियां-हर जगह ये 'तीसरी आंख' मौजूद है। यह न केवल अपराधों को रोकने में मदद करती है, बल्कि न्याय दिलाने में भी एक अहम गवाह बन जाती है। कई बार लोग अपनी हरकतों से अनजान होते हैं कि कोई उन्हें देख रहा है, पर सीसीटीवी की आंख सब कुछ समेट रही होती है। हालांकि जहां यह सुरक्षा का प्रतीक है, वहीं इसे लेकर निजता पर सवाल भी उठते हैं। क्या हर जगह नजर रखना सही है? लेकिन मौजूदा हालात में, यह आंख समाज को सजग और जवाबदेह बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस तरह, सीसीटीवी आधुनिक युग की वह अदृश्य शक्ति है, जो बिना बोले भी हर किसी को यह एहसास दिलाती है- कोई देख रहा है। इसीलिए इन दिनों कहते हैं जिंदगी कैमरों की जद में कैद हो गई है। हर पल हर जगह तमाम अदृश्य निगाहें हमें घेरे रहती हैं।

हर शहर में मुस्तैद नजर: राजधानी दिल्ली में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ते ही जिस इबारत पर आपकी पहली नजर पड़ती है, वह एक चेतावनी होती है, 'सावधान आप कैमरे की निगाह में हैं।' बैंक में घुसिए, अस्पताल में प्रवेश करिए, कॉलेज की सीढ़ियां चढ़िए, मंदिर की ड्योढ़ी लांघिए हर जगह आपको इसी पहले वाक्य के इन दिनों दर्शन होते हैं। दिन में ज्यादातर समय कैमरे की जद में रहना अब महज वीवीआईपी लोगों की जिंदगी का सच नहीं है। यह आम महानगरीय लोगों की जिंदगी की कहानी बन चुका है। सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली का ही ये हाल नहीं है, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, बेंगलुरु जैसे तमाम महानगरों और अब तो मझोले और छोटे शहरों की भी यही कहानी बनती जा रही है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, जयपुर, गुवाहाटी, बनारस, अमृतसर सबकी यही कहानी है। क्योंकि जिंदगी का हर पल खतरों, अविश्वास और विश्वासघात से जुड़ गया है।

संभालता सुरक्षा की जिम्मेदारी: कभी लोगों की यादों को सहजने वाला कैमरा, आज लोगों की सुरक्षा का भार संभालता है या कम से कम उसे उसकी बदौलत सुरक्षा का मनोवैज्ञानिक सहारा देता है। कैमरा बिल्कुल नए अवतार में आ चुका है। मोबाइल क्रांति के बाद जब दुनिया की तमाम मशहूर कैमरा बनाने वाली कंपनियां बंद होने के कगार पर पहुंच गईं थीं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बहुत जल्द कैमरे का यह विलक्षण रूप सामने आएगा। आज कैमरे का पर्याय हो गए हैं सीसीटीवी कैमरे। सीसीटीवी कैमरे आज प्रमुख सेफ्टी के टूल की तरह उभरे हैं।

बढ़ता गया प्रचलन: एक जमाना वह भी था, जब सीसीटीवी कैमरों को दुकानदारों की दुकान का चौकीदार भर समझा जाता था। लेकिन जैसे-जैसे वक्त बदला और तकनीक पहले से कई गुना ज्यादा बेहतर हुई जबकि कीमतें पहले से काफी नीचे आईं तो फिर मानो, इनके इस्तेमाल की बहार ही आ गई। घटती कीमतों की वजह से सीसीटीवी कैमरे आम आदमी की पहुंच में आ गए। आज सीसीटीवी कैमरे न केवल सेफ्टी का एक सेंस देते हैं, बल्कि जहां आपकी आंख नहीं पहुंच सकती, वहां तक भी आपको पहुंचाते हैं। *

हिंदी फिल्म जगत के महानतम फिल्मकारों में शुमार गुरुदत्त ने कई क्लासिक फिल्में दीं। गुरुदत्त की शानदार विरासत को उनकी बहू और पोतियां आज भी संभाले हुए हैं। गुरुदत्त के जन्मशती वर्ष पर वे, उनको भावुकता से याद करती हैं। साथ ही उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर।

महान फिल्मकार गुरुदत्त की विरासत संभाल रहे परिजन

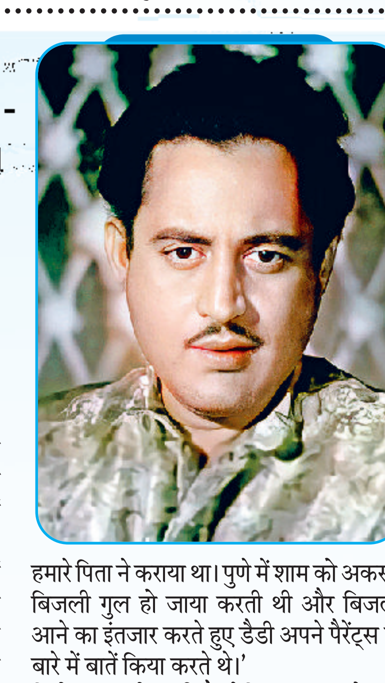

जन्मशती वर्ष / कैलाश सिंह

महान फिल्मकार और अभिनेता गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई 1925 को बंगलोर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। उनके पिता शिवशंकर राव पादुकोण एक स्कूल टीचर थे और मां वसंथी पादुकोण गृहिणी थीं, जो कभी-कभी कहानियां भी लिखा करती थीं। माता-पिता ने उन्हें वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण नाम दिया, लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर गुरुदत्त रख दिया गया।

गुरुदत्त के माता-पिता कारवार (कर्नाटक) में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना बचपन भवानीपुर (प. बंगाल) में गुजारना पड़ा, जिससे वह बंगाली भी अच्छी बोलने लगे। घर में पैसे की तंगी थी, इसलिए दसवीं के बाद कॉलेज न जा सके। उनके बकुट मामा (बालकिशन बेनेगल, जो श्याम बेनेगल के चाचा और गुरुदत्त की मां के कजिन थे) ने उन्हें उदय शंकर की नृत्य मंडली में शामिल करा दिया। गुरुदत्त ने वहां नृत्य सीखा। कुछ दिन उन्होंने टेलीफोन ऑपरेटर के रूप में भी नौकरी की। लेकिन मन नहीं लगा तो कोलकाता छोड़कर पुणे आ गए जहां प्रभात फिल्म कंपनी में उन्हें नृत्य निर्देशक की नौकरी मिली और फिर जीवन का रुख ही बदल गया।

ऐसे हुई गुरुदत्त-देवानंद की दोस्ती: पुणे में जिस लौंडरी पर गुरुदत्त अपने कपड़े धुलवाते थे, वहीं पर देवानंद के कपड़े भी धुलने आते थे। एक दिन संयोग से दोनों की कमीजें आपस में बदल गईं और दोनों की मुलाकात हुई, जो दोस्ती में बदल गई। गुरुदत्त और देवानंद ने एक-दूसरे से वादा किया, जो भी पहले निर्माता बनेगा, वह दूसरे को अपनी फिल्म में काम देगा। पहले देवानंद निर्माता बन गए और उन्होंने 'बाजी' के निर्देशन की जिम्मेदारी गुरुदत्त को दी और अपना वादा निभाया। इसी तरह जब गुरुदत्त ने 'सीआईडी' बनाई तो देवानंद को उसमें बतौर हीरो कास्ट किया।

गीता दत्त से प्रेम और विवाह: सन 1951 में आई फिल्म 'बाजी' में गीता रॉय ने 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' गीत गाया था। उनकी मखमली आवाज सुनकर गुरुदत्त अपना दिल दे बैठे। तीन साल तक कोर्टशिप चली और फिर 26 मई 1953 को गीता रॉय ने गुरुदत्त से शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हुए- तरुण, अरुण और नीना।

बहू-पोतियां संभाल रही हैं विरासत: गुरुदत्त के पुत्र अरुण के घर में प्रवेश करते ही लिविंग रूम की दीवार पर फिल्म 'प्यासा' (1957) का पोस्टर लगा हुआ दिखता है। दूसरी दीवार पर ब्लैक एंड वाइट फैमिली फोटो टंगा हुआ है, जिसमें गुरुदत्त, उनकी गायिका पत्नी गीता (राय) दत्त और उनके बच्चे हैं। मुंबई के इस घर में गुरुदत्त की मौजूदगी का एहसास हर जगह होता है। यह गुरुदत्त की बहू इफ्फत का घर है, जिसमें वह अपनी दोनों बेटियों करुणा और गौरी के साथ रहती हैं। इफ्फत ने गुरुदत्त के बेटे अरुण दत्त से शादी की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने परिवार की महान सिनेमाई विरासत को संभाले हुए हैं। गुरुदत्त की पोती गौरी बताती हैं, 'जब हम छोटे थे, तो हमें अपने दादा के कार्य से परिचय हमारे पिता ने कराया था। पुणे में शाम को अकसर बिजली गुल हो जाया करती थी और बिजली आने का इंतजार करते हुए डैडी अपने पैरेंट्स के बारे में बातें किया करते थे।'

गुरुदत्त की बहू इफ्फत के साथ करुणा और गौरी

सिने जगत से जुड़ी हैं पोतियां: चूंकि पोतियों का अपने दादा गुरुदत्त की फिल्मों से परिचय किशोरावस्था में ही हो गया था, इसलिए वे उनके कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकीं और तटस्थता के साथ उस पर अपनी राय भी कायम कर सकीं। करुणा को 'प्यासा' ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'मिस्टर एंड मिसेज 55' (1955) को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी कि मिलनी चाहिए थी। गौरी की पसंदीदा फिल्म 'कागज के फूल' (1959) है। जब दोनों बहनें फिल्म प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगीं तो कुछ साल पहले उनका परिवार पुणे से मुंबई शिफ्ट हो गया। करुणा सहायक निर्देशक हैं और गौरी पृथ्वी थिएटर से जुड़ी हुई हैं। दोनों बहनें गुरुदत्त की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छुक हैं और उसी दिशा में कार्य कर रही हैं।

गुरुदत्त की जन्मशताब्दी वर्ष का जश्न: गुरुदत्त की जन्मशती आरंभ हो चुकी है। इस बारे में इफ्फत बताती हैं, 'परिवार के ऐसे अवसरों का हम प्राइवेटली जश्न मनाते हैं। लेकिन हम परिवार की परंपरा का पालन करते हुए अपने दिवंगत सदस्यों के पसंदीदा व्यंजन तैयार करके उन्हें पक्षियों को खिलाते हैं। यह परंपरा अरुण ने शुरू की थी।' गौरी भावुक होकर बताती हैं, 'हालांकि हमारे दादा गुरुदत्त की हमेशा ही हमारे जीवन में प्रभावी मौजूदगी रही है, लेकिन इस साल हम उसे कुछ अधिक ही महसूस कर रही हैं, क्योंकि 9 जुलाई 2025 को अगर वे होते तो सौ बरस के हो गए होते।' *